4

शारीरिक शिक्षा के व्यवसायिक पक्ष

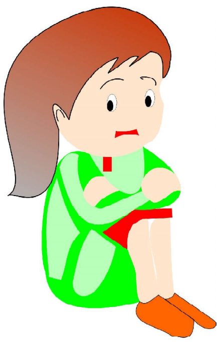

दीप्ति की आयु 16 वर्ष है। वह दसवीं कक्षा में पढने वाली गाँव की लड़की है वह बहुत शर्मीली और अंतर्मुखी है। दोस्त उसकी बुद्धिमत्ता और व्यक्तित्व पर टिप्पणी करते थे। उसके जीवन का कोई उद्देश्य नहीं है। जीवन उसके लिए नीरस और कठोर है।

एक दिन, खेल शिक्षक ने उसे दौड़ के लिए चुना, अब उसे अपने जीवन का उद्देश्य मिल गया, उसने 100 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। उस दिन उसे अपने जीवन में वास्तविक परिवर्तन महसूस हुआ ।

उसके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास के स्तर में सुधार हुआ और वह अब अंतर्मुखी लड़की नहीं रह गई है। वह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए अभ्यास करने लगी। उसने अपना 10+2 पूरा किया, लेकिन जीवन में अगले कदम के लिए फिर से उलझन में थी। वह अपना खेल जारी रखना चाहती है, लेकिन उसके परिवार ने उसे जल्द से जल्द शादी करने के लिए मजबूर कर दिया।

एक दिन उसके खेल शिक्षक ने उसे गाँव में खेती का काम करते हुए पाया। उन्होंने उसे बताया कि शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में कैरियर के बहुत सारे अवसर हैं।

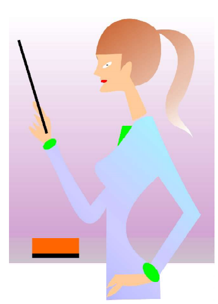

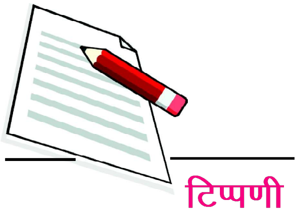

उद्देश्य

इस पाठ का अध्ययन करने के बाद, आप :

- शारीरिक शिक्षा में अवसरों के बारे में जान सकेंगे;
- शारीरिक शिक्षा के लिए उपलब्ध विभिन्न पाठ्यक्रमों और विश्वविद्यालयों के बारे में जान सकेंगे; तथा
- शारीरिक शिक्षा शिक्षक के गुणों की व्याख्या कर सकेंगे।

4.1 शारीरिक शिक्षा में अवसर

शारीरिक शिक्षा, गतिशील क्षेत्र होने के कारण विविध कैरियर विकल्पों के लिए कई अवसर प्रदान करता है। शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में आजीविका के कई विकल्प हैं जैसे शिक्षक, कोच, खेल प्रबंधक आदि।

"शिक्षा को एक नियोजित और चरणबद्ध प्रक्रिया के रूप में वर्णित किया जा सकता है जिसका उपयोग एक सहकर्मी के व्यवहार में वांछित परिवर्तन प्राप्त करने के लिए किया जाता है। सामान्य शिक्षा में शिक्षण को एक विचारशील, योजनाबद्ध और सीखने के व्यवस्थित संगठन के रूप में परिभाषित किया गया है। अधिगम विशिष्ट ज्ञान, कौशल और आदतों के अधिग्रहण की एक प्रक्रिया है "(डेमेरिल, 1993)।

"शारीरिक शिक्षा को एक ऐसी प्रक्रिया के रूप में परिभाषित किया गया है जिसके माध्यम से एक व्यक्ति इष्टतम शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कौशल और फिटनेस प्राप्त करता है" (लम्पकिन, 1998)।

4.1.1 शारीरिक शिक्षा में आजीविका

शारीरिक शिक्षा आपको आजीविका के कई विकल्पों की एक विस्तृत शृंखला प्रदान करती है; चुने हुए खेल, हेल्थ क्लब, खेल सामान निर्माता, मार्केटिंग, कमेंटेटर, स्पोर्ट्स जर्नलिस्ट, प्रशिक्षक और ऐसे ही कई अन्य विकल्प। हालाँकि शुरुआत में आपको खेल या खेल के आयोजन के लिए प्रशिक्षक या निर्देशक के रूप में अधिक संभावनाएं मिलेंगी, लेकिन वर्षों के अपने अनुभव के साथ, आप इस अनुभव को खेल पत्रकारिता, विपणन, टिप्पणीकार या अन्य सम्बन्धित क्षेत्रों में उपयोग कर सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

शारीरिक शिक्षा एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम है जो कि लिखित परीक्षा, शारीरिक फिटनेस परीक्षण और खेलकूद प्रवीणता परीक्षण जैसे कुछ मानकों पर आधारित है।

4.1.2 शारीरिक शिक्षा और स्पोर्टस में शिक्षण कार्य

शारीरिक शिक्षा में शिक्षण पाठ्यक्रमों में स्नातक पाठ्यक्रम जैसे बी.पी.ई. और शारीरिक शिक्षा में बी.एस.सी, स्वास्थ्य शिक्षा और खेल में बी.पी.ई.। एक शिक्षक बी.पी.एड. पूरा करने के बाद 10 वीं कक्षा तक सरकारी और निजी स्कूलों में प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक के रूप में कार्य करने का पात्र है।

एम.पी.एड. 2 वर्ष का डिग्री कोर्स है और छात्र पोस्ट ग्रेजुएट शिक्षक के रूप में काम करने के लिए पात्र हैं जो 11 वीं और 12 वीं कक्षा तक पढ़ा सकते हैं। उच्च शिक्षा के लिए, यदि छात्र पीएचडी की डिग्री के लिए जाते हैं, तो वह कॉलेज या विश्वविद्यालयों में व्याख्याता सहायक प्रोफेसर के लिए पात्र हैं, लेकिन उन्हें अनिवार्य रूप से राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (NET) को पास करना होगा। शारीरिक शिक्षा में CTET (सेंटल टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट) योग्यता परीक्षा आयोजित नहीं की जाती है। अन्य कैरियर विकल्प नीचे दिए गए चित्र में दिखाए गए हैं:

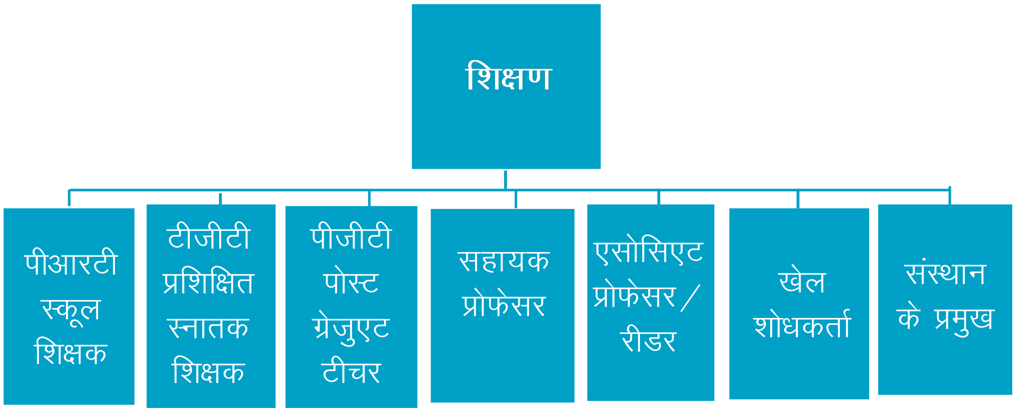

चित्र 4.1: शिक्षा के क्षेत्र में आजीविका के विकल्प

4.1.3 शारीरिक शिक्षा और खेल में कोचिंग

शिक्षण की तरह, जिन छात्रों को कोचिंग क्षेत्र में रुचि है, वे पेशेवर कोचिंग में भी अपना कैरियर बना सकते हैं। नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (एनएसएनआईएस) द्वारा संचालित एक विशेष कोचिंग कार्यक्रम खिलाड़ियों के लिए विशेष कोचिंग कार्यक्रम

प्रदान करता है। कोचिंग कार्यक्रम को पूरा करने के बाद एक छात्र निजी और सरकारी संस्थानों/कॉलेजों/विश्वविद्यालयों/अकादमियों और अन्य गैर–लाभकारी संगठनों में काम करने के लिए पात्र हो सकते हैं। शिक्षण के अलावा अन्य आजीविका विकल्प भी नीचे दिए गए हैं:

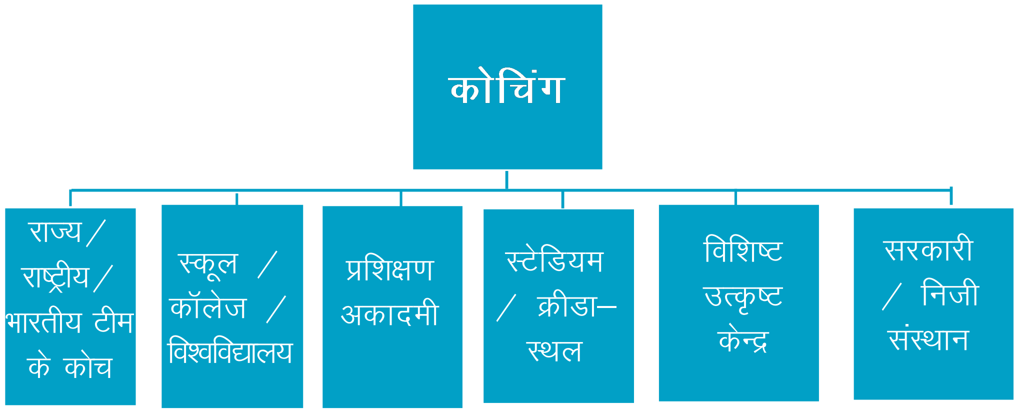

चित्र 4.2: आजीविका के विकल्प

4.1.4 प्रशासनिक नौकरी के अवसर

शारीरिक शिक्षा प्राप्त छात्र भी प्रतिष्ठित प्रशासनिक नौकरियों के लिए योग्य है – जैसे खेल अधिकारी/सहायक निदेशक/कॉलेज/संस्थानों और विश्वविद्यालयों में निदेशक। वे जैसे अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय चौम्पियनशिप, राष्ट्रमंडल, एशियाई खेलों, विश्व–कप और अन्य अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में एक अधिकारी के रूप में काम करने के लिए भी पात्र हैं। कुछ प्रशासनिक कैरियर विकल्प नीचे दिए गए हैं –

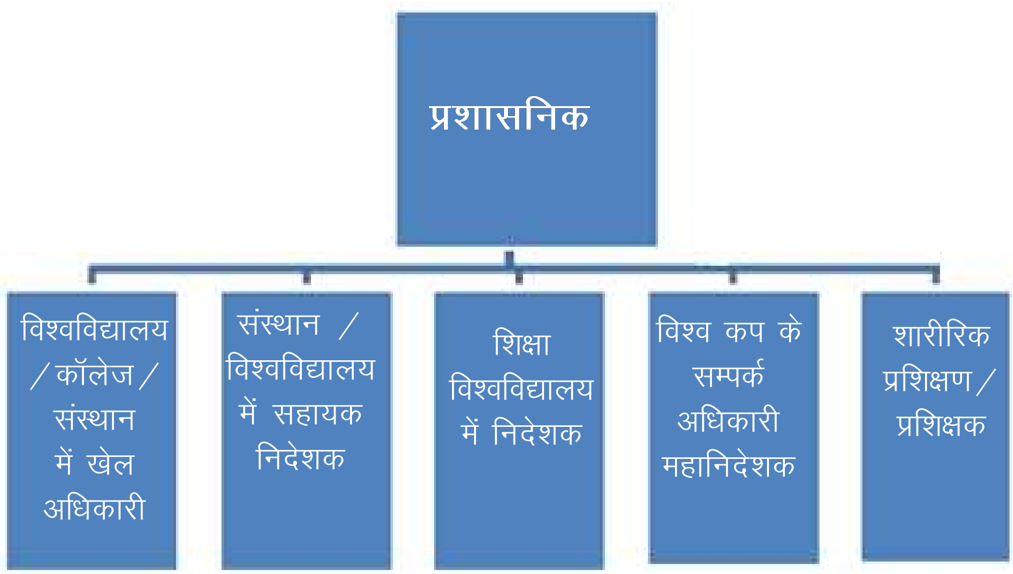

चित्र 4.3: प्रशासनिक कैरियर विकल्प

4.1.5 प्रशिक्षक

प्रशिक्षक जो शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा या स्नातक की डिग्री सफलतापूर्वक पूरा करते हैं, वे भी निजी और सरकारी संस्थान की व्यायामशाला में फिटनेस, जिम, योग और स्वास्थ्य प्रशिक्षक के रूप में अंशकालिक या पूर्णकालिक आधार पर जिम में काम करने के लिए पात्र हैं। वे फिटनेस या योग ट्रेनर के रूप में पेशेवर शिक्षाविदों और क्लबों के साथ काम करने के लिए भी पात्र हैं। अन्य कैरियर विकल्प नीचे दिए गए हैं।

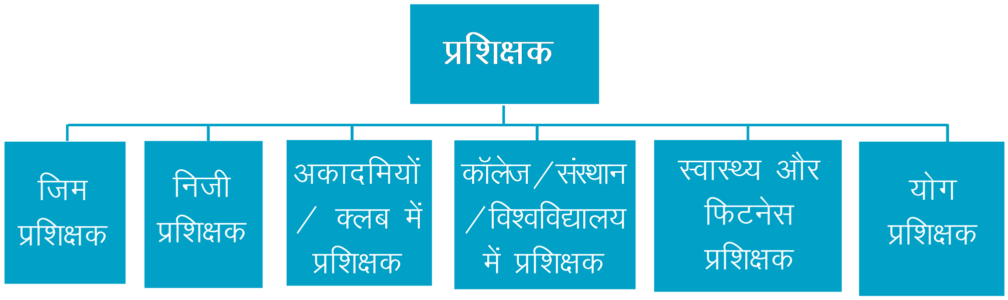

चित्र 4.4: अन्य कैरियर विकल्प

4.1.6 एक खिलाड़ी के रूप में

खिलाड़ी, जिन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल टूर्नामेंट में भाग लिया है, वे विभिन्न सरकारी नौकरियों के लिए (C.I.S.F), रेलवे, दिल्ली पुलिस, (C.R.P.F) आदि के आवेदन कर सकते हैं। आजकल, शौकिया खेलों को व्यवसायिक खेलों में बदल दिया जाता हैं, कई स्पोटर्स, विशेष खेलों में व्यावसायिक लीगों की पेशकश करते हैं जैसे (I.P.L), (I.S.L), (B.P.L), (W.K.L) आदि खिलाड़ी भी पेशेवर के रूप से उपरोक्त लीग में भाग लेकर अच्छा पैसा कमाते हैं। कुछ नए उभरते आजीविका विकल्प भी नीचे दिए गए हैं:

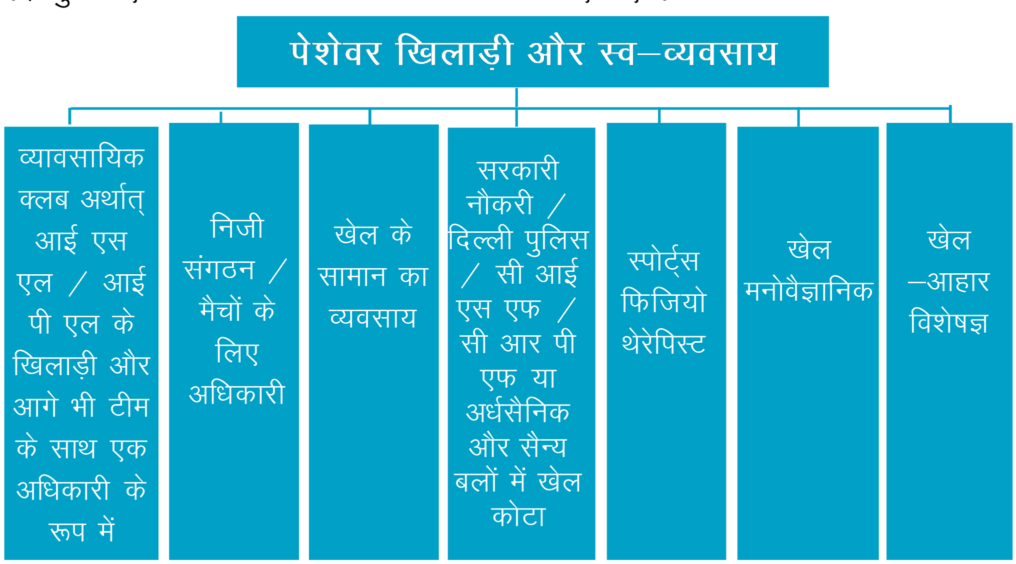

चित्र 4.3: नए उभरते आजीविका विकल्प

क्या आप जानते हैं?

एक पेशेवर क्रिकेट खिलाड़ी के रूप में, एक आई पी एल सीजन में 6–10 करोड़ से अधिक कमा सकते हैं।

क्रियाकलाप 4.1

शारीरिक शिक्षा पेशेवरों द्वारा अपनाए गए विभिन्न आजीविका विकल्पों को दर्शाते हुए चित्रों के साथ एक चित्रावली तैयार करें।

4.1.7 अन्य अवसर

शारीरिक शिक्षा और खेल विज्ञान का छात्र शारीरिक शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री पूरी करने के बाद खेल– पत्रकार, खेल– प्रसारक, खेल– विपणन प्रबंधक, खेल– सामान व्यवसायी, टीम के लिए खेल– मनोवैज्ञानिक, स्पोर्ट्स –फिजियोथेरेपिस्ट, खेल– समाजशास्त्री, खेल –बायोमैकेनिक्स विश्लेषक, खेल– आहार विशेषज्ञ, खेल चिकित्सा विशेषज्ञ और खेल शोधकर्ता जैसे अन्य कैरियर के अवसरों का लाभ उठा सकता है।

पाठगत प्रश्न 4.1

1) निम्नलिखित संक्षिप्त रूपों का पूर्ण रूप लिखिए

- पी आर टी ....
- टी जी टी ....
- पी जी टी ....
- पी ई टी ....
- एन आई एस ....

2) निम्नलिखित कथनों को सही या गलत के रूप में चिह्नित कीजिए:

क) पी आर टी के लिए शारीरिक शिक्षा में स्नातक योग्यता है (सही / गलत)

ख) शारीरिक शिक्षा में सी टेट परीक्षा आवश्यक नहीं है। (सही/गलत)

ग) शारीरिक शिक्षा एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम है। (सही/गलत)

घ) राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी सरकारी नौकरियों के लिए पात्र हैं। (सही/गलत)

ङ) पी जी टी शिक्षक स्कूल में 12 वीं कक्षा तक पढ़ा सकते हैं। (सही/गलत)

च) शारीरिक शिक्षा की डिग्री आपको जिम/फिटनेस उद्योग में काम करने में भी मदद करती है। (सही/गलत)

4.2 शारीरिक शिक्षा के पाठ्यक्रम और संस्थान

एक इच्छुक छात्र शारीरिक शिक्षा में डिप्लोमा, सर्टिफिकेट या डिग्री कोर्स कर सकता है। कई सरकारी और निजी संस्थान और कॉलेज हैं जो इन पाठ्यक्रमों को संचालित करते हैं। इसकी बहुत मांग है और केवल उन छात्रों को इसका विकल्प चुनना चाहिए जिनकी इस क्षेत्र में गहरी रुचि है। भारत में कैरियर के रूप में शारीरिक शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए कुछ प्रमुख संस्थान नीचे दिए गए हैं:

क). इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, दिल्ली विश्वविद्यालय, बी–ब्लॉक विकासपुरी, नई दिल्ली –110018

क्र.सं.	कोर्स का नाम	अवधि
1.	शारीरिक शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा और खेल विज्ञान में बी एस सी	3 वर्ष का डिग्री कोर्स
2.	बी पी एड (चार सेमेस्टर) पाठ्यक्रम, बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन	2 वर्ष का डिग्री कोर्स
3.	एम.पी.ई.डी. (चार सेमेस्टर) कोर्स, मास्टर्स ऑफ फिजिकल एजुकेशन	2 वर्ष का डिग्री कोर्स
4.	पी एच.डी. डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (फिजिकल एजुकेशन)	3 वर्ष का डग्री कोर्स

अधिक जानकारी के लिए देखें: www.dudpess.du.ac.in & www.igipess.du.ac.in

शारीरिक शिक्षा और योग की अवधारणा

टिप्पणी

ख. लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई) (युवा कार्य और खेल मंत्रालय, भारत सरकार,) मेला रोड, ग्वालियर, म.प्र. पिन कोड 474002 भारत

क्र.सं.	कोर्स का नाम	अवधि
1.	शारीरिक शिक्षा स्नातक (बीपीएड)	8 सेमेस्टर
2.	शारीरिक शिक्षा में मास्टर डिग्री (खेल बायोमैकेनिक्स)	
3.	शारीरिक शिक्षा में मास्टर डिग्री (व्यायाम भौतिकी)	
4.	शारीरिक शिक्षा में मास्टर डिग्री (स्वास्थ्य शिक्षा)	
5.	शारीरिक शिक्षा में मास्टर डिग्री (खेल मनोविज्ञान)	4 सेमेस्टर
6.	शारीरिक शिक्षा में मास्टर डिग्री (शारीरिक शिक्षा शिक्षाशास्त्र)	
7.	शारीरिक शिक्षा में मास्टर डिग्री (खेल प्रबंधन)	
8.	योग में मास्टर ऑफ आर्ट्स	
9.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फिटनेस मैनेजमेंट (पी जी डी एफ एम)	
10.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स मैनेजमेंट (पी जी डी एस एम)	2 सेमेस्टर
11.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स जर्नलिज्म (पी जी डी एस जे)	
12.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स कोचिंग (पी जी डी एस सी)(एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, टेनिस और वॉलीबॉल)	2 सेमेस्टर
13.	खेल कोचिंग में डिप्लोमा (डी एस सी) (केवल सेवारत डिफेंस कर्मियों के लिए) (एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, फुटबॉल और वॉलीबॉल)	
14.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन योग एजुकेशन (पीजीडीवाईएड)	2 सेमेस्टर

टिप्पणी

15.	पी एच डी	3 वर्ष
16.	बी.ए. (कार्यक्रम) खेल और प्रदर्शन	6 सेमेस्टर
17.	एम एस सी (स्पोर्ट्स बायो–मैकेनिक्स) एम एस सी (एक्सरसाइज फिजियोलॉजी) एम ए (स्पोर्ट एंड एक्सरसाइज साइकोलॉजी)	4 सेमेस्टर

पाठ्यक्रमों की विस्तृत जानकारी, शुल्क और अन्य प्रासंगिक जानकारी पाने के लिए, www.inipe.edu.in पर जाइए

ग) तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय (तमिलनाडु सरकार द्वारा अधिनियम 2005 के अधिनियम संख्या 9 के तहत और यूजीसी/एआईईसीटी द्वारा अनुमोदित) 8 वीं मंजिल, ईवीके संपत मालीगई, कॉलेज रोड, चेन्नई –6, तमिलनाडु

क्र.सं.	**पाठ्यक्रम का नाम**	**अवधि**
शारीरिक शिक्षा विभाग		
1.	स्पोर्ट्स कोचिंग में पीएच.डी.	एम.फिल (नियमित 2 वर्ष / अंशकालिक 3 वर्ष) के साथ बिना एम.फिल (नियमित 3 वर्ष / आंशिक समय 4 वर्ष)
2.	स्पोर्ट्स कोचिंग में एम.फिल	1 वर्ष
3.	एम एस सी, स्पोर्ट्स कोचिंग	1 वर्ष
4.	स्पोर्ट्स कोचिंग में पी.जी.डिप्लोमा	18 महीने
5.	स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी में पीएच.डी.	एम.फिल के साथ (रेगुलर –2 ईयर/पार्ट टाइम –3 सी) एमफिल के बिना) रेगुलर –3 टायर / पार्ट टाइम –4 टायर)
6.	स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी में एम.टेक	2 वर्ष
योग विभाग		
7.	योग में, पीएच.डी.	एम.फिल (नियमित 2–वर्ष /अंशकालिक 3 वर्ष) के साथ बिना एम.फिल (नियमित 3 वर्ष /आंशिक समय 4–वर्ष)

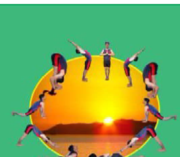

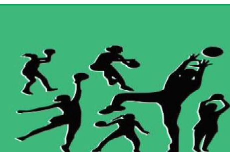

शारीरिक शिक्षा और योग की अवधारणा

टिप्पणी

8.	योग में एम.फिल	1 वर्ष
9.	एम एस सी, योग	2 वर्ष
व्यायाम फिजियोलॉजी और बायोमैकेनिक्स के विभाग		
10.	व्यायाम फिजियोलॉजी में पीएच.डी.	एम.फिल (नियमित 2 वर्ष वर्ष/अंशकालिक 3 वर्ष) के साथ बिना एम.फिल (नियमित 3 वर्ष/अंशकालिक 4 वर्ष)
11.	एक्सरसाइज फिजियोलॉजी एंड न्यूट्रिशन में एम.फिल	1 वर्ष
12.	एम एस सी, एक्सरसाइज फिजियोलॉजी एंड न्यूट्रिशन	2 वर्ष
13.	बीएससी, एक्सरसाइज फिजियोलॉजी	3 वर्ष
14.	एमएससी, स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स और काइन्सियोलॉजी	2 वर्ष
खेल प्रबंधन और खेल की संस्कृति और समाज का संरक्षण		
15.	खेल मनोविज्ञान और समाजशास्त्र में पीएच.डी.	एम.फिल के साथ (रेगुलर –2 ईयर /पार्ट टाइम –3 आर) बिना एम.फिल (रेगुलर –3 टायर/पार्ट टाइम –4 टायर)
16.	खेल मनोविज्ञान और समाजशास्त्र में एम.फिल	1 वर्ष
17.	एमएससी, खेल मनोविज्ञान और समाजशास्त्र	2 वर्ष
18.	खेल प्रबंधन में पीएच.डी.	एम.फिल के साथ (रेगुलर –2 ईयर / पार्ट टाइम –3 आर) बिना एम.फिल (रेगुलर –3 टायर/पार्ट टाइम –4 टायर)
19.	खेल प्रबंधन में एम.फिल,	1 वर्ष
20.	स्पोर्ट्स मैनेजमेंट में एम.बी.ए.	2 वर्ष

उन्नत खेल प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकी के विकास		
21.	स्पोर्ट्स कोचिंग में पीएच.डी.	एम.फिल (नियमित 2 वर्ष/अंशकालिक 3 वर्ष) के साथ बिना एम.फिल (नियमित 3 वर्ष/अंशकालिक 4 वर्ष)
22.	स्पोर्ट्स कोचिंग में एम.फिल	1 वर्ष
23.	स्पोर्ट्स कोचिंग में एम एस सी	1 वर्ष
24.	स्पोर्ट्स कोचिंग में पी.जी.डिप्लोमा	18 महीने
25.	एम.फिल के साथ खेल प्रौद्योगिकी	एम.फिल के साथ (रेगुलर –2 वर्ष में पीएच.डी./पार्ट टाइम –3 वर्ष) बिना एम.फिल (रेगुलर–3 वर्ष/पार्ट टाइम 4 वर्ष)
26.	स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी में एम.टेक	2 वर्ष

अधिक जानकारी के लिए देखें: www.tnpesu.org

घ) शारीरिक शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि
1.	शारीरिक शिक्षा में स्नातक	2 वर्ष
2.	शारीरिक शिक्षा में परास्नातक	2 वर्ष
3.	पीएच डी	3 वर्ष

अधिक जानकारी के लिए देखें: http://physicaleducation-puchd-ac-in

ङ) डिपार्टमेंट ऑफ फिजिकल एजुकेशन (टीचर एजुकेशन एंड लर्निंग), (पंजाब विश्वविद्यालय) पोस्ट ग्रेजुएट गवर्नमेंट, कॉलेज सेक्टर –11 चंडीगढ़

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि
1.	कला स्नातक – शारीरिक शिक्षा	3 वर्ष
2.	शारीरिक शिक्षा स्नातक	4 वर्ष

शारीरिक शिक्षा और योग की अवधारणा

टिप्पणी

3.	शारीरिक शिक्षा के परा स्नातक	2 वर्ष
4.	शारीरिक शिक्षा में मास्टर ऑफ फिलॉसफी (1 वर्ष)	18 महीने
5.	शारीरिक शिक्षा में पीएच. डी.	3 वर्ष

अधिक जानकारी के लिए देखें: http://www-gc11-ac-in/physical&education/

च) अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू)

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि
1.	शारीरिक शिक्षा स्नातक (बीपीएड)	2 वर्ष
2.	शारीरिक शिक्षा के मास्टर (एमपीएड)	2 वर्ष
3.	पीएच.डी. (शारीरिक शिक्षा)	3 वर्ष

अधिक जानकारी के लिए देखें: https://www.amu.ac.in/departmentpage.jsp\ did=82

छ) स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट यूनिवर्सिटी

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि
1.	शारीरिक शिक्षा स्नातक (बी पी एड)	2 वर्ष
2.	शारीरिक शिक्षा और खेल स्नातक (बी पी ई एस)	3 वर्ष
3.	मास्टर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (एम पी ई एस)	2 वर्ष
4.	पत्रकारिता और जनसंचार में विशेषज्ञता (स्पेशलाइजेशन– जर्नलिस्म)	2 वर्ष
5.	विकलांगता खेल में पी जी डिप्लोमा	1 वर्ष
6.	खेल पत्रकारिता में पी जी डिप्लोमा	1 वर्ष
7.	खेल पोषण में पी जी डिप्लोमा	1 वर्ष

टिप्पणी

8.	एडवेंचर स्पोर्ट्स एडमिनिस्ट्रेशन में पीजी डिप्लोमा	1 वर्ष
9.	स्पोर्ट्स कोचिंग में पी जी डिप्लोमा	1 वर्ष
10.	पी जी डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स मैनेजमेंट	1 वर्ष
11.	दर्शनशास्त्र में परा– स्नातक	18 महीने
12.	पीएच.डी.	3 वर्ष

अधिक जानकारी के लिए देखें: https://sgsu.gujarat.gov.in

ज) शारीरिक शिक्षा विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	अवधि
1.	बी पी एड.	3 वर्ष
2.	एम पी एड	2 वर्ष
3.	पीएच.डी.	2 वर्ष
4.	खेल पत्रकारिता में पी जी डिप्लोमा	3 वर्ष

अधिक जानकारी के लिए देखें:http://www.bhu.ac.in/arts/physical-edu/

4.2.1 शारीरिक शिक्षा पाठ्यक्रमों के लिए अन्य संस्थान

- लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, करियावट्टम पी.ओ. तिरुवनंथपुरम – 695581 केरल

  अधिक जानकारी के लिए देखें:http://www.lncpe.gov.in/

- वाईएमसीए कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, ओल्ड नं: 333 न्यू नं: 497, अन्नासाली, नंदनम, चेन्नई –600035

  अधिक जानकारी के लिए देखें:http://www.ymcacollege.ac.in/

- लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

  अधिक जानकारी के लिए देखें: www.lnipe.ac-.n

टिप्पणी

- प्रो. गुरसेवक सिंह गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, पटियाला (पंजाब)

  अधिक जानकारी के लिए देखें:http://www.pgsgcpe.com/

- शहीद कांशी राम कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, भगो माजरा, खारर मोहाली, पंजाब, पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला से संबद्ध एमपी एड (दो वर्षीय पाठ्यक्रम), बी.पी. एड (एक वर्षीय पाठ्यक्रम), बी.पी.ई. (चार वर्षीय पाठ्यक्रम), और सी.पी.एड. (दो वर्षीय पाठ्यक्रम)

- शारीरिक शिक्षा विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला केवल एम.पी.एड (दो वर्षीय पाठ्यक्रम) प्रदान करता है।

  अधिक जानकारी के लिए देखें: http://nsnis.org/academic-courses/diploma-course-in-sports-coaching/

- शारीरिक शिक्षा विभाग गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में बी.पी.एड (एक वर्ष) और एम.पी.एड (दो वर्षीय पाठ्यक्रम) प्रदान करता है।

  अधिक जानकारी के लिए देखें: http://online.gndu.ac.in/department&of&physicaleducation.aspx

- एस ए आई एन एस एन आई एस पटियाला शारीरिक शिक्षा में नहीं बल्कि विशेष रूप से विभिन्न खेलों में कोचिंग में डिप्लोमा, चयनित खेलों में खेल परास्नातक और एम.एस.खेल चिकित्सा में प्रदान करता है।.

  अधिक जानकारी के लिए देखें:http://nsnis.org/academic & courses/diploma/course in sports/coaching/

Do you know

क्या आप जानते हैं?

शिारीरिक शक्षा में प्रवेश की वरीयता सूची पिछले तीन सालों में भाग लेने वाले खेलों के प्रमाणपत्रों पर आधारित होती है। कुछ विश्वविद्यालय एम.पी.एड में शोध कार्य के लिये शोध प्रबन्ध एक विषय के रूप में भी देते हैं जिससे खेल विज्ञान के क्षेत्र में सीखने एवं शोध कार्य करने में सफलता मिलती है।

क्रियाकलाप 4.2

विभिन्न नौकरियों और जिम्मेदारियों को निभाने वाले शारीरिक शिक्षा, शिक्षकों के चित्र की एक चित्रावली तैयार कीजिऐ।

पाठगत प्रश्न 4.2

1. बी.पी.एड में प्रवेश पाने के लिए न्यूनतम योग्यता क्या है?

....

....

2. मास कम्युनिकेशन और स्पोर्ट्स जर्नलिज्म मे एम. ए. का कोर्स कराने वाले विश्वविद्यालय का नाम बताइये।

....

....

3. शारीरिक शिक्षा में एम.पी.एड कराने वाले संस्थानों / विश्वविद्यालयों की सूची बनाइये।

....

....

4.3 शारीरिक शिक्षा शिक्षक गुण

शारीरिक शिक्षा शिक्षक छात्रों के लिये आदर्श होता है, जिसको अनुशासित और शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिये। शारीरिक शिक्षा शिक्षक छात्रों को कक्षा के साथ साथ मैदान में भी पढ़ाते है। कभी वह खिलाड़ियों की कोचिंग करते है तो कभी वह शिक्षक के रूप में छात्रों को शारीरिक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं के विषय में बताते है। वह संस्था में दोहरी भूमिका निभाते है। यह शारीरिक शिक्षा शिक्षक के कुछ ऐसे गुण हैं जिनको अपनाकर वह एक अच्छा शिक्षक बन सकते / सकती है।

शारीरिक स्वस्थता

शारीरिक शिक्षा शिक्षक पूर्ण रूप से स्वस्थ होना चाहिए क्योंकि वह छात्रों के लिए एक आदर्श के रूप में होता है अतः शारीरिक गतिविधियों के द्वारा स्वस्थ रहने के लिये इसका व्यक्तित्व छात्रों के लिये प्रेरणा के स्त्रोत होना चाहिये। यह उसके शारीरिक स्वस्थता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को दिखाता है।

आदर्श चरित्र

शारीरिक शिक्ष शिक्षक, में टीम वर्क, नेतृत्व, खेल कौशल जैसे गुण होने चाहिए, बच्चों के साथ जुड़ना एक चुनौती पूर्ण कार्य है शिक्षक को छात्रों का मूल्यांकन करते समय निष्पक्ष और सही निर्णय लेना चाहिए। उसे विद्यार्थियों के साथ एक रोल मॉडल की तरह पेश आना चाहिए।

अंतर्वैयक्तिक कौशल

क्योंकि शारीरिक शिक्षा शिक्षक, छात्रों, माता–पिता तथा संस्थान के अन्य शिक्षकों के साथ बातचीत करता / करती है, इसलिए उसे इस कौशल में पारंगत होना चाहिए। मौखिक संचार हमेशा कार्य नहीं करता है कभी – कभी भाव भंगिमा भावनात्मक बुद्धिमत्ता भी संचार में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

संचार कौशल

अच्छा संचार, छात्रों को तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ–साथ गतिविधियों को समझाने में मदद करता है। संचार छात्रों के स्तर के अनुरूप होना चाहिये। विषय वस्तु का ज्ञान, संचार के स्तर को बढाता है।

धैर्य और अनुकूलता

शारीरिक शिक्षा शिक्षक के पास धैर्य और अनुकूलन क्षमता होनी चाहिए ताकि वह सही समय पर सही निर्णय ले सकें। छात्रों में ज्ञान प्राप्त करने के विभिन्न स्तर होते है, एक शिक्षक को परिणाम आने तक धैर्य रखना चाहिए ताकि वह आवश्यकता के अनुसार अपने शिक्षा में सुधार कर सके।

संगठनात्मक कौशल

शारीरिक शिक्षा शिक्षक को विभिन्न प्रकार के खेल टूर्नामेंट का आयोजन करना होता है इसलिये उसे एक कुशल संगठनकर्ता भी होना चाहिये। उसने छात्रों की प्रगति को रिकॉर्ड और रिपोर्ट करने की दक्षता होनी चाहिये।

उत्साही

शारीरिक शिक्षा शिक्षक को कार्य गतिविधि को रोचक, प्रतिस्पर्धी और सहयोगी बनाना होता है। यह छात्रों को टीम वर्क और मित्रवत शारीरिक गतिविधियों को करने के लिए प्रेरित करेगा।

शारीरिक गुण

शारीरिक शिक्षा शिक्षक को शारीरिक, संज्ञानात्मक कौशल के साथ विभिन्न खेलों का ज्ञान होना चाहिए। उसमें गतिविधि प्रदर्शन की क्षमता भी होनी चहिये। वह शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिये ताकि वह गतिविधियों को कुशलता पूर्वक कर सके एवं करा सके।

रचनात्मकता –

शारीरिक शिक्षा शिक्षक के पास पर्याप्त रचनात्मक कौशल होना चाहिये ताकि वह छात्रों को इस बात के लिए प्रेरित कर सके कि वह ज्ञान को स्वयं के द्वारा विभिन्न स्त्रोतों के माध्यम से भी प्राप्त कर सके। वह गतिविधियों को इस प्रकार रचनात्मक ढंग से बनाने में सक्षम हो ताकि छात्र उसे विभिन्न तरीकों से सीख सके।

आपने क्या सीखा?

- शारीरिक शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर विभिन्न पाठ्यक्रम हैं।
- छात्र शारीरिक शिक्षा में डिग्री पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के बाद शारीरिक शिक्षा में अपने कैरियर के लिए एक शिक्षक या कोच के रूप में कार्य कर सकते हैं ।
- इस पेशे में कई सम्भावनाएं उभरी हैं और छात्रों के लिए इसे व्यवसाय के रूप में लेने के लिए कई नए क्षेत्र खुले हैं ।
- कई संस्थान शारीरिक शिक्षा में पाठ्यक्रम चला रहे हैं।
- छात्र जान सकते है कि शारीरिक शिक्षा को कैरियर के रूप में , कौन अपना सकता है
- शारीरिक शिक्षा शिक्षक पद के लिए किन गुणों की आवश्यकता होती है।

पाठांत प्रश्न

1. शारीरिक शिक्षा में कैरियर के पहलुओं का वर्णन कीजिए।
2. विशेष रूप से भारत में शारीरिक शिक्षा के विभिन्न अवसरों की व्याख्या कीजिए।
3. भारत में मौजूद शारीरिक शिक्षा के विभिन्न पाठ्यक्रमों वाले, शीर्ष रैंकिंग संस्थानों के बारे में विस्तार से समझाइए।
4. शारीरिक शिक्षा– शिक्षक के गुणों की व्याख्या कीजिए।
5. बायोडाटा में सम्मिलित महत्त्वपूर्ण बिंदुओं की व्याख्या कीजिए।

शारीरिक शिक्षा और योग की अवधारणा

टिप्पणी

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

4.1

1)
- PRT (प्राइमरी शिक्षक)
- TGT (प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक)
- PGT (स्नातकोत्तर शिक्षक)
- PET (शारीरिक शिक्षा – शिक्षक)
- NIS (राष्ट्रीय खेल संस्थान)

2) क) सही ख) सही ग) सही

घ) सही ड) सही च) सही

4.2

1) 2 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम

2) लक्ष्मीबाई शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय, ग्वालियर

3) उत्तर–

i) इंदिरा गांधी शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय, बी–ब्लॉक विकासपुरी, नई दिल्ली–110018,

ii) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा (CNUPE) भारत सरकार, युवा कार्य और खेल मंत्रालय) मेला रोड, ग्वालियर, म.प्र.पिन कोड 474002

iii) तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय, 8 वीं मंजिल, इ. वी. के .संपत मालिगाई, कॉलेज रोड, चेन्नई–6 तमिलनाडु

iv) शारीरिक शिक्षा डिग्री कॉलेज (H.V.P)मंडल, संबद्ध अमरावती विश्वविद्यालय

v) शारीरिक शिक्षा शहीद कांशी राम कॉलेज, भागू माजरा, खारर मोहाली, पंजाब संबद्ध पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला

vi) शारीरिक शिक्षा विभाग पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला ।

vii) शारीरिक शिक्षा विभाग गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर